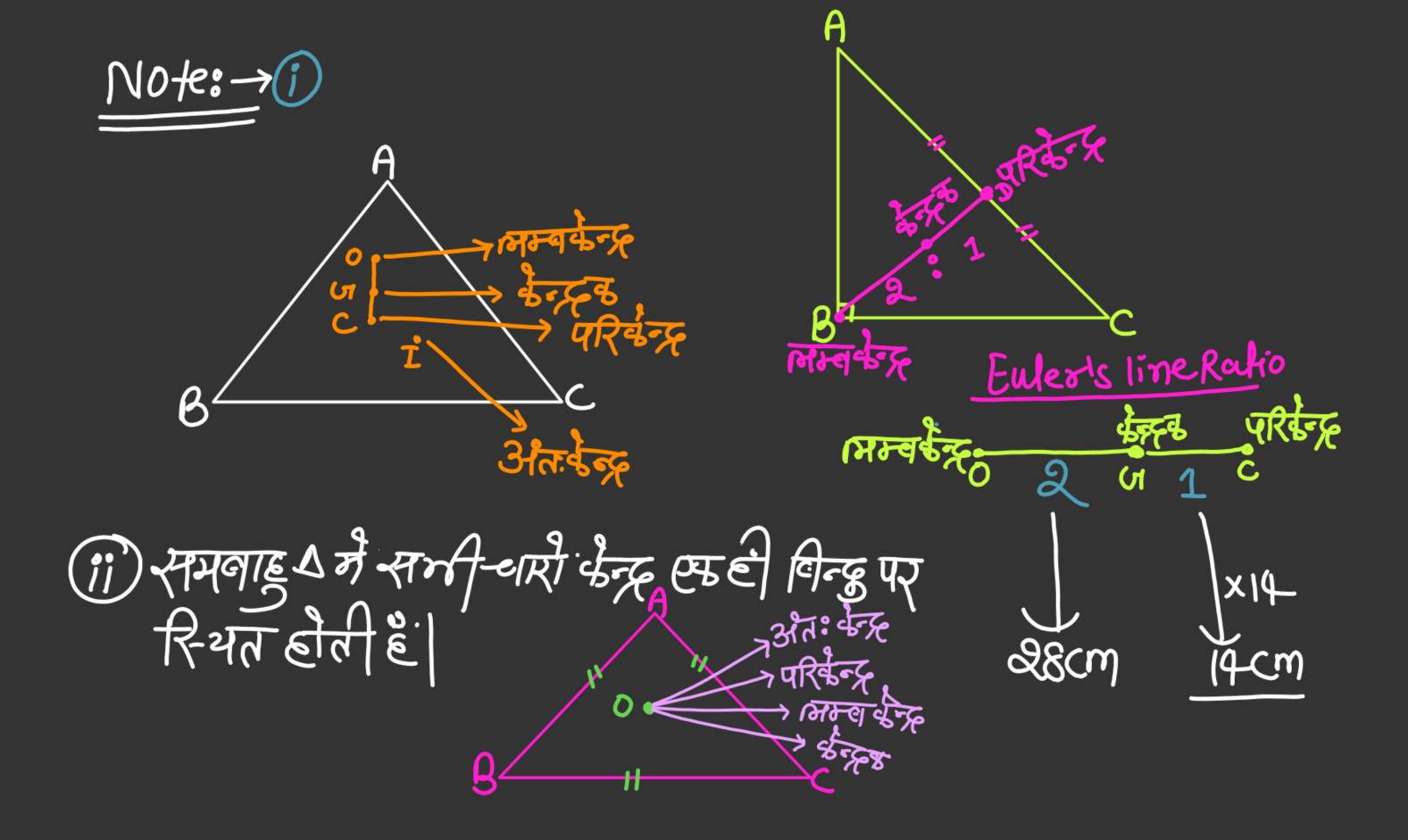
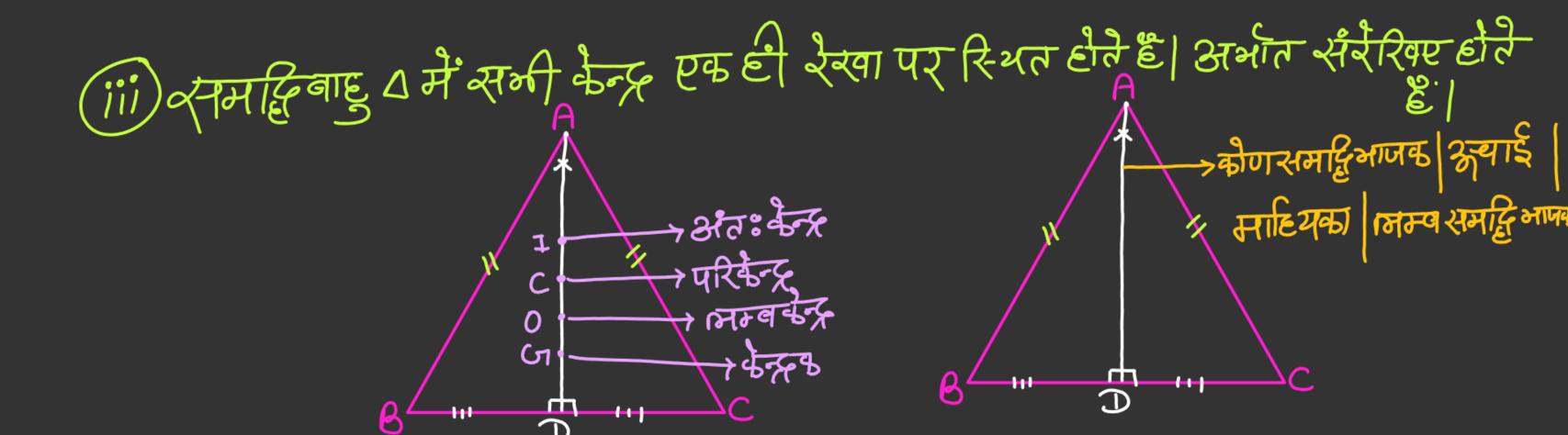
Median -> m, , ma, ma

$$S = \frac{m_1 + m_2 + m_3}{2}$$

$$\Delta = \frac{4}{3} \times \frac{28}{84}$$
= 112cm²

$$\Delta = \frac{4}{3} \times \sqrt{S(s-m_1)(s-m_2)(s-m_3)}$$



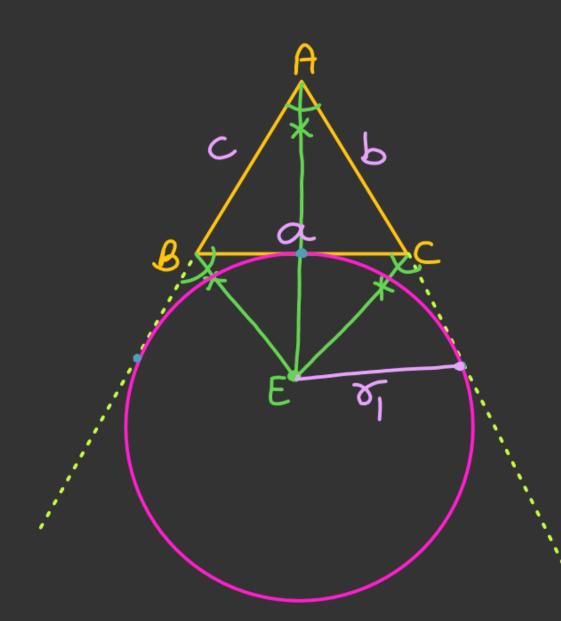


ि) वाह्य केन्द्र (Ex-centre): ->

$$(iii)$$
 $\delta_1 = \Delta_{S-a}$

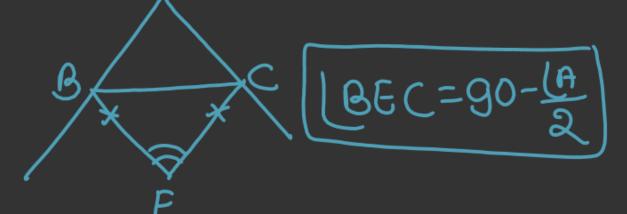
$$\mathcal{L}_{2} = \frac{\Delta}{S-b}$$

$$y_3 = \frac{\Delta}{S-C}$$



properties(खण): →i) बाह्य केन्द्र हमेशा ठर्क नाहर रि-यत होता हैं।

(ii) वाह्य केन्द्र के केन्द्र पर वनाया गया कीण एक अमकीण तथा शिर्ध कीण आधे के अनुँगर के वारावर होती हैं।



$$\begin{array}{c}
\widehat{a} = \Delta \\
\widehat{a} = S - \alpha
\end{array}$$

$$\begin{array}{c}
\widehat{a} = \Delta \\
\widehat{a} = S - b
\end{array}$$

$$\begin{array}{c}
\widehat{a} = \Delta \\
\widehat{a} = S - c
\end{array}$$

$$\chi_1 = \frac{\Delta}{5-a} = \frac{84}{21-14} = \frac{84}{4} = 12cm$$

$$S = \frac{13+14+15}{2} = 21$$

क्षे विषम वाहु2 क्षे व्यमवाहु △ भि न्समद्भिषां △ (म) अभक्षीण (× X X X Ø अमकीणसम दिवाह∆

